महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर द्वारा चांगथांग के लिए आयोजित 'एनुअल चैरिटी प्रोग्राम 2021' के उद्घाटन में संबोधन

------

1. आज महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। लद्दाख की एक पहचान यहां की प्राचीन बौद्ध संस्कृति भी है जो सार्वभौम और बिना शर्त करुणा के सिद्धांत पर आधारित है। मेरे विचार से मानवता को बचाए रखने के लिए यह बुनियादी तौर पर जरूरी है कि हम सबमें हर प्राणी के प्रति प्रेम, दया करुणा जैसे भाव हों।

2. महात्मा बुद्ध की जयंती के उत्सव समारोह में मुझे महाबोधि संस्था के वर्चुअल कार्यक्रम में आप सबसे जुड़ने का अवसर मिला था। आदरणीय भिक्खू संघ सेन जी जैसे सौम्य एवं प्रभावी व्यक्तित्व से मेरा परिचय हुआ। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि आज भी उनको सुनने का अवसर मिला।

3. लद्दाख की भूमि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण रहने के हिसाब से एक मुश्किल जगह रही है। अधिक ऊंचाई और ठंड ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। ऊपर से हाल के समय में कोरोना वायरस का भी आम जनजीवन पर असर पड़ा है।

4. ऐसे समय में आपकी संस्था चांगथांग के लोगों के लिए हर साल यह वार्षिक चैरिटी कार्यक्रम रखती है। उनकी हरसंभव सहायता करती है। आय के सीमित साधन वाले परिवारों का ध्यान रखना, उनकी सभी जरूरतों का ख्याल रखना, पूरी तरह से महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं के अनुकूल है।

5. मुझे खुशी है कि इस चैरिटी कार्यक्रम में आप लोगों ने मुझे आमंत्रित किया। आज के कार्यक्रम में लाभान्वित होने वाले लोगों को मैं अपनी ओर से शुभकामनाएं देता हूं। मैं मैत्री-थाई प्रोजेक्ट, थाईलैंड को एंबुलेंस दान करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूं कि चांगथांग के लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में यह एंबुलेंस बहुत मददगार साबित होगा।

6. आप सबने मेरे स्नेहपूर्वक स्वागत में जो गीत-संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया है, उसने मेरा मन मोह लिया है। मैं इन कार्यक्रमों को प्रस्तुत करने वाले सभी कलाकारों को धन्यवाद देता हूं।

7. आप सब लद्दाखी संस्कृति के संरक्षक एवं उसे और आगे बढ़ाने वाले लोग हैं। मैं चाहता हूं कि देश भर से अधिक से अधिक संख्या में लोग लद्दाख आए और यहां के प्राकृतिक सौंदर्य तथा सांस्कृतिक समृद्धि को एक बार अवश्य देखें।

8. मैं यह भी चाहता हूँ कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन देश के दूसरे हिस्सों में भी आयोजित किए जाएं ताकि शेष भारत को भी इस संस्कृति की झलक मिले।

9. लद्दाख में महाबोधि इंटरनेशनल मेडिटेशन सेंटर द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों की भी मैं सराहना करता हूं और इसके लिए मैं उन्हें बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

10. एक बार फिर मैं चैरिटी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी आयोजकों एवं दानकर्ताओं को धन्यवाद देता हूँ। मुझे आशा है कि भविष्य में आप इस प्रकार के कार्यक्रम को और बडे पैमाने पर करने में सफल होंगे।

11. अंत में मेरी कामना है कि हम सब महात्मा बुद्ध के मार्गदर्शक सिद्धांतों को अपनाते हुए सभी प्राणियों के प्रति प्रेम भाव से सौहार्द पूर्वक रहें और इस पृथ्वी को संघर्षरहित और हिंसामुक्त बनाएं।

'बुद्धम् शरणम् गच्छामि। धम्मम् शरणम् गच्छामि।'